www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 पंजाबी अखबारों की राय: धनखड़ के इस्तीफे...
3 काशी यूनिवर्सल फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण
4 शहीद उधम सिंह का बलिदान स्वतंत्रता संग्राम...

वर्ष: 9 | अंक: 275 | दिल्ली, मंगलवार, 29 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलें, वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने सोमवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड में सीईओ और अन्य दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। वक्फ बोर्ड के पूर्व सीईओ खान पर साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) दिग विनय सिंह ने अमानतुल्लाह खान और महबूब आलम के खिलाफ साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप तय किए। अन्य नौ आरोपियों पर अदालत ने साजिश के अपराध का आरोप लगाया है। उक्त अवधि के दौरान, इन नियुक्तियों के समय, आप विधायक 2016 में बोर्ड के अध्यक्ष थे।

टैगोर की धरती से ममता ने छेड़ा 'दूसरा भाषा आंदोलन'

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के खिलाफ बोलपुर में विरोध मार्च किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप सबकुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी अस्मिता, मातृभाषा, मातृभूमि नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ, मेरा मानना है कि विविधता में एकता ही हमारे राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी मजदूरों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप दूसरे राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते। भावनाओं और प्रतीकों से भरपूर यह विरोध मार्च टूरिस्ट लॉज चौराहे से शुरू हुआ और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि पर तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जम्बोनी बस अड्डे पर समाप्त हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर पर छिड़ी तीखी बहस

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही तीन बार और राज्यसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई। हालांकि, 2 बजे से लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि यह कहना गलत और निराधार है कि इस अभियान को किसी दबाव में आकर रोका गया था। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी कुछ गलतफहमी बची रह गयी है तो उसे भी दूर कर दिया जाएगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देना जरूरी था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने TRF को बचाया था, हमने उसकी कोशिश नाकाम की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नागरिकों की सुरक्षा करना हमारा अधिकार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों मे से पाकिस्तान के अलावा केवल तीन राष्ट्रों ने विरोध किया था। यह हमारी कूटनीति का ही परिणाम था कि टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय अमेरिका के साथ बातचीत में व्यापार का कोई जिक्र नहीं हुआ था, 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ। जयशंकर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा: जिन लोगों ने कुछ नहीं किया, वे बहावलपुर और मुरीदके में आतंकी स्थलों को ध्वस्त करने वाली सरकार पर सवाल उठाने की हिम्मत कर रहे हैं।

कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोका गया था और पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों हैं।

सिरसा के नेतृत्व में वन महोत्सव 2025 के तहत दिल्ली में मेगा प्लांटेशन ड्राइव जारी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के तहत वन महोत्सव 2025 की ग्रीन लहर दिल्ली में लगातार फैल रही है। आयोजित विशेष पौधारोपण कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों ने हिस्सा लेकर अपनी माताओं के नाम पौधे लगाए। इसने अभियान को भावनात्मक और प्रेरणादायक रंग दिया।

इस कार्यक्रम में श्री सिद्धांत दास, सुष्मिता दास, चंद्र प्रकाश गोयल, अनुराधा गोयल, डॉ. जे.आर. भट्ट, राजीव सिंह, राजीव मित्तल, नविका कुमार, किरण चोपड़ा और विनीत कंवर ने सक्रिय भागीदारी की। इनकी मौजूदगी ने दिखाया कि यह अभियान समाज को पर्यावरण संरक्षण के साझा लक्ष्य के लिए एकजुट कर रहा है।

श्री सिरसा ने कहा इतनी संवेदनशील और प्रेरणादायक हस्तियों की मौजूदगी ने इस अभियान को और मजबूत किया। उनका यह कदम समाज को यह संदेश देता है कि जिस तरह पेड़ पृथ्वी का जीवन संवारते हैं, उसी तरह हमें भी प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की: आइए, हम सब मिलकर एक पेड़ लगाएँ और पर्यावरण के प्रति अपना कर्तव्य निभाएँ। हर लगाया गया पौधा साफ हवा, हरी-भरी जगहों और बेहतर कल का वादा है।

वन महोत्सव 2025, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में, एक ऐतिहासिक जन आंदोलन बन चुका है।

2025 में 70 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य लेकर यह अभियान लगातार नागरिकों, संस्थानों और नेताओं को जोड़ रहा है, ताकि राजधानी को हरा-भरा और स्वच्छ बनाया जा सके।

हरियाली तीज पर्व पर सीएम नायब सिंह सैनी ने महिलाओं को दी कल्याणकारी योजनाओं रूपी 'कोथली'

सीएम ने लाडो सखी योजना और डिजिटल लर्निंग इकोसिस्टम का किया शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में तीज का पावन पर्व इस बार महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की सौगात लेकर आया। तीज के पर्व पर भाई द्वारा अपनी बहन को कोथली देने की परंपरा निभाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महिलाओं को कल्याणकारी योजनाओं रूपी कोथली भेंट की।

सोमवार को जिला अंबाला में तीज उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को और अधिक गति देने के लिए लाडो सखी योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की देखभाल के लिए लाडो सखी को लगाया जाएगा। यह लाडो सखी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर व ए.एन.एम. बहनें गर्भवती महिलाओं की प्रसव के दौरान देखभाल करेगी। इस योजना के तहत बेटी पैदा होने पर हर लाडो सखी को 1 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ियों में बढ़ते कदमः डिजिटल बाल कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। यह कार्यक्रम आंगनवाड़ी कार्यकताओं की नन्हे बच्चों की देखभाल और शिक्षा में मदद करेगा।

सरकार की नई पहलों से हरियाणा में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स 50 प्रतिशत हो गए हैं। इस गति में और तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री ने कुछ और नई पहलों की घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि हरियाणा स्टार्टअप्स नीति में 50 प्रतिशत लाभार्थी महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स होंगे।

छोटी उम्र में ही उद्यमशीलता में रुचि को बढाने के लिए छात्राओं को 10 हजार डु-इट-योअर सेल्फ किट वितरित की जाएंगी। हाथ से बनाई जाने वाली चीजों, जैसे कि पारंपरिक कपड़ा, पर्यावरण के अनुकूल ग्रामीण शिल्प, आयुर्वेद आधारित हैल्थ एंड वैलनेस, देसी खाद्य उत्पादों आदि में बनाने में लगे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स की सहायता के लिए एक योजना शुरू की जाएगी। इसमें 50 हजार से 1 लाख रुपये तक की मदद दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार, नीति आयोग के सहयोग से, महिला उद्यमिता मंच का हरियाणा स्टेट चैप्टर शुरू करेगी ताकि राज्य की महिला उद्यमियों को 700 से अधिक सलाहकारों के नेटवर्क से व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिले, क्षेत्र-विशेष का प्रशिक्षण मिले और वित्त पोषण, बाजार तक पहुंच व इनक्यूबेशन के लिए सहायता मिल सके।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नई औद्योगिक और क्षेत्रीय नीतियों के तहत हरियाणा सरकार राज्य में महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा की महिलाओं को रोजगार देने वाली इकाइयों को अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करेगी। इसके अलावा, राज्य की महिला उद्यमियों की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक खरीद मानदंडों में छूट प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि हर विकास खंड में एक राशन डिपो स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को दिया जाएगा। इससे उन्हें रोजगार मिलेगा, गांवों की व्यवस्था में भी भागीदारी बढ़ेगी।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली। आज भारतीय रेल ईक्कीसवी सदी में आधुनिकता और बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस दौर में आर.पी.एफ. रेलवे संपत्ति के साथ-साथ रेल यात्री और यात्री सामान की सुरक्षा और संरक्षा के दायित्व को ईमानदारी व जिम्मेदारी के साथ निभा रही है। बदलाव और आधुनिकता के दौर से गुजर रही भारतीय रेल में भिन्न-भिन्न प्रकार के अपराधों व परिस्थितियों से जुड़ी विभिन्न चुनौतीयां भी सामने आ रही हैं। आर.पी.एफ. द्वारा ऐसी सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार के ऑपरेशन चलाये जा रहे हैं जिनमे से 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' सबसे अधिक महत्वपूर्ण ऑपरेशनों में से एक है।

आर.पी.एफ. द्वारा चलाये जा रहे 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत रेलवे परिसर और ट्रेनों में संकटग्रस्त या संदिग्ध परिस्थितियों में पाए जाने वाले बच्चों को बचाया जाता है। 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों और ट्रेनों में संकटग्रस्त या संदिग्ध परिस्थितियों में पाए जाने वाले बच्चों की सक्रिय रूप से पहचान करना और उन्हें बाल श्रम, तस्करी या अन्य प्रकार के शोषण से बचाना है। जब आरपीएफ के बल सदस्य किसी बच्चे को ऐसी परिस्थितियों से बचाते हैं तो उसे जिला बाल कल्याण समिति या इस क्षेत्र में कार्य कर रहे NGO को सौंप दिया जाता है, जो बच्चे को उसके माता-पिता को सौंप देते हैं।

आर.पी.एफ./दिल्ली मण्डल द्वारा 30 आरपीएफ पोस्टों पर 30 ए.एच.टी.यू. (एंटी ह्युमन ट्रेफिकिंग यूनिट/Anti Human Trafficking Unit) का गठन किया गया है जिनका मुख्य कार्य रेलवे परिसर और ट्रेनों में संकटग्रस्त या संदिग्ध परिस्थितियों में पाए जाने वाले बच्चों की सक्रिय रूप से पहचान करना और उन्हें बाल श्रम, तस्करी या अन्य प्रकार के शोषण से बचाना है। आरपीएफ/दिल्ली मण्डल द्वारा वर्ष 2021 से जून-2025 तक संकटग्रस्त या संदिग्ध परिस्थितियों में पाए जाने वाले 5200 नाबालिग बच्चों को बचाया है। बचाए गए बच्चों में ऐसे बच्चे शामिल हैं जो घर से भाग गए थे, लापता हो गए थे, बिछड़ गए थे या बाल श्रम या तस्करी जैसे खतरों का सामना कर रहे थे।

'संजना भारती' खबर का हुआ असर

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने बीरबागडा मार्ग पर पानी लिंकेज को किया बंद

नागरिकों ने सीएम नायब सिंह सैनी व मीडिया का किया धन्यवाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का नागरिकों ने आभार व्यक्त किया।

लीकेज के दौरान की फोटो। (छाया: एसबी)

लीकेज बंद होने के बाद की फोटो। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद में सिवरेज ठेकेदार द्वारा गांव बीरबागडा मार्ग पर, खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के गेट के पास सिवरेज पाइपलाइन दबाने के दौरान पानी की पाईप लाईन में लीक हो गई थी। बताया गया कि इस पाईप से बीरबागडा मार्ग माइनर से राजौंद जल घर में पानी पहुंचाया जाता है। जिस समय नहर में पानी था डेमेज पाइप से लगातार पानी बह रहा था। ठेकेदार कर्मियों ने लीकेज बंद किये बिना ही मिट्टी से गड्ढे को भर दिया था। नहर सुखने के कारण अभी लिंकेज दिखाई नहीं पड़ रही थी।

दैनिक संजना भारती समाचार पत्र ने खबर को प्रमुखता से उठाया। खबर हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास पहुंची तो सीएम कार्यालय ने ठेकेदार को लीकेज बंद करने के आदेश दिए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कैथल ने पानी की पाइपलाइन की लिकेज बंद कर दी है।

नागरिकों राहगीरों सुरेश, विवेक, अमन, कोमल, अशोक, कुलदीप सहित अन्य ने हरियाणा के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया है। समस्या को प्रमुखता से उठाने पर नागरिकों व खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय राजौंद ने दैनिक संजना भारती समाचार पत्र का धन्यवाद किया है।

डेंगू-मलेरिया से निपटने को 3 अस्पताल अलर्ट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। डेंगू दुनिया भर के कई देशों में एक आम बीमारी है, जिनमें अमेरिका, अफ्रीका, मध्य पूर्व, एशिया और प्रशांत द्वीप समूह शामिल हैं। दुनिया की लगभग आधी आबादी, यानी लगभग 4 अरब लोग, डेंगू के जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं। जोखिम वाले क्षेत्रों में डेंगू अक्सर ज्वर संबंधी बीमारियों का एक प्रमुख कारण होता है। इन क्षेत्रों में डेंगू के प्रकोप की खबरें अक्सर आती रहती हैं। दिल्ली नगर निगम ने डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मद्देनजर तीन अस्पतालों को प्रहरी निगरानी केंद्र के रूप में नामित किया है तथा इन बीमारियों के मामलों में इस मौसम में वृद्धि को रोकने के लिए उपाय तेज कर दिये हैं। रविवार को, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने घोषणा की कि हिंदू राव अस्पताल, स्वामी दयानंद अस्पताल और कस्तूरबा अस्पताल में जरूरी इंतजाम कर उन्हें प्रहरी निगरानी अस्पतालों का दर्जा दिया गया है। इन अस्पतालों में मामलों में अपेक्षित वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए समर्पित बिस्तर और विशेष संसाधन उपलब्ध होंगे। शर्मा ने बताया कि हिंदू राव अस्पताल में 70, स्वामी दयानंद अस्पताल में 22 और कस्तूरबा अस्पताल में 75 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। उन्होंने कहा, दवाओं, अंतःशिरा द्रव्यों और प्लेटलेट समेत सभी आवश्यक चिकित्सा जरूरतें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायी गयी हैं। समय पर देखभाल प्रदान करने के लिए डॉक्टरों, नर्सों और तकनीकी कर्मचारियों की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इस बीच, शहर के कुछ इलाकों में हैजा के बढ़ते मामलों को देखते हुए, एमसीडी ने असुरक्षित पेयजल वाले इलाकों में विशेष अभियान शुरू किए हैं।

सीएम नायब सैनी ने कालेश्वर महादेव मठ मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जीवन का आधार प्रकृति है और प्रकृति का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आज हम आधुनिकता की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, वन महोत्सव हमें इसी बात की याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम प्रकृति का शोषण न करें, बल्कि उसके साथ मिलकर रहना सीखें। जब हम एक पेड़ लगाते हैं तो हम जीवन का एक स्त्रोत रोपित करते हैं, एक नई उम्मीद पैदा करते हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को यमुनानगर के कलेसर में वन विभाग द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय वन महोत्सव में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर रहे थे। उन्होंने राज्य स्तरीय वन महोत्सव में पौधारोपण भी किया, साथ ही वन विभाग के नव निर्मित विश्राम गृह का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कालेश्वर महादेव मठ मंदिर में जाकर भगवान शिव की पूजा अर्चना की और प्रदेश की सुख स्मृद्धि के लिए कामना की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वन महोत्सव प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता, हमारे दायित्व और आने वाली पीढ़ियों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के हमारे संकल्प का प्रतीक है। कलेसर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह न केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटकों, प्रकृति प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए भी बेहद आकर्षक स्थल है। सरकार कालका से लेकर कलेसर तक के पूरे क्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में विकसित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वन क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पौधारोपण करते हुए एक पेड़ मां के नाम से एक अनूठा अभियान शुरू किया था। इसी कड़ी में एक पेड़ मां के नाम के पहले चरण में हरियाणा में 1 करोड़ 60 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था, हमने लक्ष्य से बढकर 1 करोड़ 87 लाख पौधे लगाये। इस साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम के दूसरे चरण की शुरूआत की है। दूसरे चरण में 90 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, इस साल अन्य योजनाओं में प्रदेश में कुल 1 करोड़ 20 लाख पौधे और लगाने का लक्ष्य रखा गया है। एस प्रकार प्रदेश में 2 करोड़ 10 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहा कि सरकार ने शहरी वानिकी को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष योजनाएं शुरू की हैं, ताकि शहरों में भी हरियाली बढ़ाई जा सके। इसके साथ ही, अवैध कटाई को रोकने और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कड़े कदम उठाए हैं। वन विभाग को इस दिशा में और अधिक सक्रिय होने के निर्देश दिए गए हैं। कलेसर नेशनल पार्क में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं।

सम्पादकीय

भारतीय सेना बना रही है रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन

भारतीय सेना अपनी युद्धक क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पुनर्गठन कर रही है। हम आपको बता दें कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने घोषणा की है कि सेना नई रुद्र ब्रिगेड और भैरव लाइट कमांडो बटालियन का गठन कर रही है। देखा जाये तो यह कदम भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान की सीमाओं पर तेजी से प्रतिक्रिया देने और भविष्य की युद्ध चुनौतियों का सामना करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। हम आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड मौजूदा दो इन्फैंट्री ब्रिगेड्स को रूपांतरित करके तैयार की जा रही हैं। इनका उद्देश्य एक ही संरचना में सभी युद्धक शाखाओं को एकीकृत करना है, ताकि सीमाई हालात में अतिरिक्त सैनिक तैनात करने की आवश्यकता नहीं पड़े। इसमें इन्फैंट्री, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक, आर्टिलरी, स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन और लॉजिस्टिक सपोर्ट यूनिट्स शामिल होंगे। इन ब्रिगेड्स को एकीकृत कमांड स्ट्रक्चर के तहत रखा जाएगा, जिससे युद्ध के दौरान विभिन्न शाखाओं में बेहतर समन्वय हो सके। ब्रिगेड की संरचना ऑपरेशनल क्षेत्र और भूमिका के आधार पर अलग-अलग होगी। मैदानी इलाकों में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक रेजीमेंट और स्वचालित आर्टिलरी के साथ तेज गति वाले आक्रामक ऑपरेशन किये जा सकेंगे। वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में इन्फैंट्री बटालियन और हाई-एल्टीट्यूड युद्ध के लिए सक्षम आर्टिलरी इकाइयां काम आयेंगी। हम आपको बता दें कि प्रत्येक रुद्र ब्रिगेड में ड्रोन आधारित निगरानी, एरिया सैचुरेशन वेपन और रियल-टाइम इंटेलिजेंस का समावेश होगा। इससे सीमाई परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता बढ़ेगी। वहीं भैरव लाइट कमांडो बटालियन की बात करें तो आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड्स के साथ-साथ सेना भैरव लाइट कमांडो बटालियन भी बना रही है।

कविता

राशन-किरासन फ्री, गैस भी सस्ता होत बा,
गरीब के झोपड़ी में अब आमिर क बेवस्था होत बा
सड़क-अस्पताल क काम दिन-रात चलत बा,
गरीब के घर में अब रहर के दाल बनत बा।

शहर के बड़का बडका लोग अब हमारा गांव आवत बा,
बुझाता कि अब बिहार में चुनाव आवत बा।

बेरोजगारी बेरोजगारी जे जे चिचियात रहे, अब ऊ रोजगार बढ़िया पाई

2 लीटर पेट्रोल, एगो देशी पउआ,1 किलो मुर्गा पर बेचाई

जेवने हाथ में कलम जरूरी रहे ऊ हाथ से अब पार्टी क झंडा लहराई
इतना सब भइला के बाद का अच्छा दिन आई

पलट के जे ना 4 साल देखल ओकरा अंदर अब बदलाव आवत बा
बुझाता अब बिहार में चुनाव आवत बा

जानबूझकर के अब जाति वाला पाठ पढ़ावल जाई
नेता लोग गले मिली हैं जनता के लड़वाल जाई

बे मतलब के बात लेकर सबके भड़कावल जाई
वादा कसम क्रिया सपना सब देखावल जाई

जे जे कइले बा रंगदारी अब थाना में नाम आवत बा
बुझाता बिहार में अब चुनाव आवत बा।

-संजय सिंह

जयंती

सी. नारायण रेड्डी

जन्म: 29 जुलाई, 1931, आंध्र प्रदेश; मृत्यु-12 जून, 2017) 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित तेलुगू भाषा के प्रख्यात कवि थे। वे अपनी पीढ़ी के सर्वाधिक जाने-माने कवियों में से एक थे। वे पांच दशकों से भी अधिक समय तक काव्य रचना में लगे रहे। अब तक उनकी 40 से भी अधिक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं, जिसमें कविता, गीत, संगीत, नाटक, नृत्य-नाटिका, निबंध, यात्रा संस्मरण, साहित्यालोचन तथा गजलें (मौलिक तथा अनूदित) सम्मिलित हैं। 1997 में सी. नारायण रेड्डी को राज्य सभा के लिए नामित किया गया था।

पुण्यतिथि

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

जन्म-26 सितंबर, 1820, पश्चिम बंगाल; मृत्यु-29 जुलाई, 1891, कोलकाता) भारत के प्रसिद्ध समाज सुधारक, शिक्षा शास्त्री व स्वाधीनता सेनानी थे। वे गरीबों व दलितों के संरक्षक माने जाते थे। उन्होंने स्त्री-शिक्षा और विधवा विवाह पर काफी जोर दिया। ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने 'मेट्रोपॉलिटन विद्यालय' सहित अनेक महिला विद्यालयों की स्थापना करवायी तथा वर्ष 1848 में वैताल पंचविंशति नामक बंगला भाषा की प्रथम गद्य रचना का भी प्रकाशन किया। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और शिक्षाविद विद्यासागर जी का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषा के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

कल मिलेंगे

एक आदमी ट्रेन में सफर कर रहा था।
टिकट चेकर: टिकट दिखाओ।
आदमी: (घबराकर) मेरे पास टिकट नहीं है।
टिकट चेकर: तो फिर, जुर्माना भरो।
आदमी: (रोते हुए) मेरे पास जुर्माना भरने के पैसे भी नहीं हैं।
टिकट चेकर: (गुस्से में) तो फिर, तुम उतर जाओ।
आदमी: (खुशी से) ये हुई ना बात!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHI/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

पंजाबी अखबारों की रायः धनखड़ के इस्तीफे ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी

जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- यदि आतंकवाद के सबसे गंभीर मामलों में हमारी न्यायिक प्रणाली इतनी धीमी गति से काम करती है, तो यह दावा नहीं किया जा सकता कि भारत आतंकवाद से सख्ती से निपट रहा है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय समुदाय यह भी सवाल उठा सकता है कि भारत की जांच एजेंसियां और न्यायिक प्रणाली आतंकवाद के गंभीर मामलों में भी सतर्क और सक्रिय क्यों नहीं हैं

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने, मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से सभी 12 आरोपियों के बरी होने और संसद के हंगामेदार मानसून सत्र पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- उपराष्ट्रपति के अचानक इस्तीफे से उठ रहे कई सवाल सही हैं और उनका जवाब मिलना चाहिए, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि जवाब मिलेंगे या नहीं। उनका इस्तीफा इसलिए भी अधिक आश्चर्यजनक है, क्योंकि दिन में वे सदन में सक्रिय थे और रात में उन्होंने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि स्वास्थ्य कारणों से उन्हें ऐसा करना पड़ रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके और सरकार के बीच किसी मुद्दे पर मतभेद हो गए और फिर वे इस हद तक बढ़ गए कि उन्होंने इस्तीफा देना ही उचित समझा। अखबार लिखता है- उपराष्ट्रपति का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष चुनने की जद्दोजहद में लगी हुई है। अब भाजपा को उपराष्ट्रपति पद के लिए भी उम्मीदवार ढूंढना होगा। जाहिर है जगदीप धनखड़ ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन लिखता है- धनखड़ ने अपना राजनीतिक जीवन जनता दल से शुरू किया और प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। जनता दल के पतन के बाद, वे कांग्रेस में शामिल हो गए। वह 2003 से भाजपा में थे और उसी पार्टी ने उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया। अगस्त 2022 में, उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति चुनाव जीता। जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है- वे पिछले तीन सालों से उपराष्ट्रपति पद पर थे, समय-समय पर उनके द्वारा दिए गए स्पष्ट बयानों से सरकार सहित अन्य पक्ष नाराज होते देखे गए। इस घटना ने निस्संदेह भारत के संसदीय इतिहास में एक नया और अनूठा अध्याय जोड़ा है। चंडीगढ़ से प्रकाशित देशसेवक लिखता है- उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे को लागू करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। इससे पहले उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने और आर. वेंकटरमन ने इस्तीफा दिया था, लेकिन दोनों के इस्तीफे की वजह खास थी। यह समझना मुश्किल नहीं है कि धनखड़ के इस्तीफे का कारण सिर्फ.स्वास्थ्य समस्याएं नहीं हैं, बल्कि असली कारण को छुपाया जा रहा है। जालंधर से प्रकाशित 'नवां जमाना' लिखता है- कुछ सांसदों का दावा है कि धनखड़ को पहले से ही पता था कि उनका इस्तीफा मांगा जाएगा, यही वजह है कि उन्होंने जानबूझकर सत्र के पहले दिन खड़गे को बोलने का समय दिया। उनके मुताबिक, इस्तीफा भी किसी ताकतवर नेता ने लिखा था, धनखड़ ने सिर्फ.दस्तखत किए थे। अगले साल मई में वे 75 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। आरएसएस ने नरेंद्र मोदी पर इस्तीफा देने का दबाव बनाने के लिए धनखड़ को इस्तीफा देने के लिए राजी किया है। चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून लिखता है-उपराष्ट्रपति के इस्तीफा देने के निर्णय को विडंबनापूर्ण बनाने वाली बात यह है कि इसमें विपक्ष की भूमिका में बदलाव आया है। कुछ महीने पहले ही कांग्रेस जैसी पार्टियां उन पर संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही की मांग कर रही थीं। आज, वे यह दावा करके उनकी प्रतिष्ठा का बचाव कर रहे हैं कि उनके जाने के पीछे गहरे कारण हैं। भाजपा की चुप्पी इस कहानी को और हवा दे रही है। उनके आलोचकों ने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जो संवैधानिक निष्पक्षता और पार्टी निष्ठा के बीच की रेखा को धुंधला कर रहा था।

2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सभी 12 आरोपियों को बरी करने पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून लिखता है- मुंबई ट्रेन बम विस्फोट भारत में हुए अब तक के सबसे भीषण आतंकवादी हमलों में से एक था। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपना अपराध साबित करने में नाकाम रहा है। अखबार लिखता है- ऐसे समय में जब 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से एनआईए पूछताछ कर रही है और पहलगाम हमले की जांच जारी है, पाकिस्तान को भारत की जांच एजेंसियों पर सवाल उठाने का हौसला मिलेगा। जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' लिखता है-निचली अदालत ने लगभग 9 साल बाद अपना फैसला सुनाया, जबकि बॉम्बे हाईकोर्ट की विशेष पीठ को भी अपना फैसला सुनाने में लगभग 9 साल लग गए। इस कानूनी पचड़े में सिर्फ.पीड़ितों का ही नुकसान होगा, जिन्हें न्याय के लिए अभी और इंतजार करना होगा। अखबार लिखता है- हमारा कानून उन लोगों के बारे में चुप है जो बिना कोई अपराध किए 17 साल से जेल में हैं। क्या वे बिना किसी गलती के अपनी ज़िंदगी का एक बड़ा हिस्सा जेल में बिताने के लिए मुआवजे के हकदार नहीं हैं? जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- यदि आतंकवाद के सबसे गंभीर मामलों में हमारी न्यायिक प्रणाली इतनी धीमी गति से काम करती है, तो यह दावा नहीं किया जा सकता कि भारत आतंकवाद से सख्ती से निपट रहा है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय समुदाय यह भी सवाल उठा सकता है कि भारत की जांच एजेंसियां और न्यायिक प्रणाली आतंकवाद के गंभीर मामलों में भी सतर्क और सक्रिय क्यों नहीं हैं। पटियाला से प्रकाशित 'रोजाना आशियाना' लिखता है- यह मामला निचली अदालतों के काम करने के तरीके पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है। महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। देश को उम्मीद है कि इस बार तथ्य सही ढंग से पेश किए जाएंगे।

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे और कामकाज ठप होने पर जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है- संसद में पहले ही दिन इतना हंगामा क्यों मचा, जबकि सत्र से पहले इस बात पर पूरी सहमति थी कि सभी दलों की भागीदारी से महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। चंडीगढ़ से प्रकाशित देशसेवक लिखता है- विपक्ष लंबे समय से मांग कर रहा है कि पहलगाम और उसके जवाब, ऑपरेशन सिंदूर के बारे में खुली चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष सरकार से जानना चाहता है कि बिहार में मतदाता सूचियों में इस नाजुक समय में बड़े पैमाने पर संशोधन के पीछे असली मकसद क्या है। वहीं उपराष्ट्रपति के अचानक इस्तीफे को लेकर अब एक नया सवाल खड़ा हो गया है। अखबार लिखता है- ऐसा लगता है कि जब तक प्रधानमंत्री संसद में उपस्थित नहीं होंगे, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित रहेगी। पटियाला से प्रकाशित 'चढ़दीकलां' लिखता है- हाल ही में संसद के बाहर सरकार और विपक्ष के बीच बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ और भाषा विवाद जैसे मुद्दों पर झड़पें हुई हैं, लेकिन उम्मीद है कि ये झड़पें सदन के भीतर सकारात्मक बहस तक ही सीमित रहेंगी। पटियाला से प्रकाशित 'रोजाना आशियाना' लिखता है, विपक्ष ने अपना एजेंडा तय किया है, लेकिन ध्यान रखा जाना चाहिए कि सत्र शोर-शराबे और हंगामे की भेंट न चढ़ जाए। अखबार लिखता है- इस मामले में इस साल के बजट सत्र को उदाहरण बनाया जा सकता है। बजट सत्र में राज्यसभा और लोकसभा की उत्पादकता क्रमशः 119 और 118 प्रतिशत रही। सत्र चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का न चलना समय के साथ-साथ देश के संसाधनों की भी बबार्दी है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तीर्थस्थलों पर आकस्मिक भगदड़ से प्रबंधन की भूमिका पर सुलगते सवाल मांग रहे दो टूक जवाब

इस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि मंदिर परिसर में सुबह की आरती के समय भीड़ के बीच अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिससे भगदड़ मच गई। यहां भगदड़ से पहले का एक विडियो फुटेज भी सामने आया है। जिससे स्पष्ट होता है कि मंदिर जाने वाला पैदल मार्ग श्रद्धालुओं से खचाखच भरा है। भीड़ इतनी थी कि कि मनसा देवी जाने वाला पैदल मार्ग पर लोग एक-दूसरे से बुरी तरह चिपके हुए थे

-कमलेश पांडेय

उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित सुप्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में गत रविवार को सुबह आरती के समय अचानक बेकाबू हुई भीड़ से मची भगदड़ से हुए हादसे में जहां 8 लोगों की जान चली गई, वहीं 26 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इससे भक्त और भगवान के व्याकुल अन्तर्सम्बन्धों के साथ-साथ मंदिर प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सुलगते हुए सवाल उठ हैं। ऐसा इसलिए कि अपने आपमें न तो यह पहली घटना है और न ही अंतिम! बावजूद इसके, बेगुनाहों की मौतों का यह सिलसिला कब थमेगा, विश्वास पूर्वक कुछ कहा नहीं जा सकता है, क्योंकि ब्रेक के बाद देश भर के सुप्रसिद्ध मंदिरों या फिर उससे जुड़े अनुष्ठानों में ऐसे हादसे होते रहते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि पहले भी भीड़ जुटने के बाद अचानक मचने वाली भगदड़ में कई जानें जा चुकी हैं। सिर्फ मंदिर ही नहीं, अन्य सेलिब्रेटिज के दीदार या यात्रा सम्बन्धी भीड़ बढ़ने के बाद भी महज एक छोटी सी अफवाह कई लोगों की जान ले लेती हैं और बहुतेरे लोगों को घायल कर जाती हैं। इसमें महिलाओं और बच्चों के शिकार होने की संभावना ज्यादा होती हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, गत 4 जून 2025 को आईपीएल में आरसीबी जीत का जश्न मनाने के लिए खेल के मंदिर यानी चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए समारोह में अकस्मात मची भगदड़ से 11 लोग मारे गए।

वहीं, बीते 3 मई 2025 को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव में मची अचानक भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई और 100 लोग घायल हुए। जबकि गत 15 फरवरी 2025 को रेल यात्रा के मंदिर यानी नई दिल्ली स्टेशन पर अकस्मात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। तब ये लोग महाकुंभ जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। वहीं, 29 जनवरी 2025 को महाकुंभ 'अमृत स्नान' में भाग लेने के लिए लाखों लोगों की भीड़ जुटने के बाद संगम नोज क्षेत्र में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 अन्य घायल हो गए। इससे पहले गत 8 जनवरी 2025 को तिरुमाला हिल्स स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के टिकट के लिए हुई धक्का-मुक्की में छह श्रद्धालु मारे गए, जबकि दर्जनों घायल हो गए।

अब बात करते हैं बीते वर्ष हुई भगदड़ सम्बन्धी घटनाओं की। गत 2 जुलाई 2024 को यूपी के हाथरस में स्वयंभू दलित बाबा समझे जाने वाले भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि के सत्संग में भगदड़ से 100 से अधिक मौतें हुई। इससे एक साल पहले यानी 31 मार्च 2023 को इंदौर में एक मंदिर में रामनवमी पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान प्राचीन 'बावड़ी' के ऊपर बनी स्लैब के ढहने से 36 लोगों की मौत हो गई। इससे एक वर्ष पूर्व यानी 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक घायल हो गए।

इसी प्रकार एक दशक पहले यानी 14 जुलाई 2015 को आंध्रप्रदेश के राजमुंदरी में आयोजित 'पुष्करम' उत्सव के पहले दिन ही गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ मचने से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। वहीं, 3 अक्टूबर 2014 को दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोग मारे गए और 26 अन्य घायल हो गए। वहीं, 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए।

यही वजह है कि उपर्युक्त तमाम जगहों के प्रबंधकों/व्यवस्थापकों के साथ-साथ भक्ति या दीवानगी में बेलगाम होते जा रहे श्रद्धालुओं/शुभचिंतकों, अनुगामियों की भूमिका पर सवाल दर सवाल उठ रहे हैं। यह जनपद प्रशासन और पुलिस प्रशासन की नाकामी का भी परिचायक है, क्योंकि देश के विभिन्न जिलों में ऐसी लोमहर्षक और हृदयविदारक घटनाएं ब्रेक के बाद होती रहती हैं, लेकिन हमारी केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय नगरीय निकायों/ग्रामीण निकायों के निर्देश पर सक्षम प्रशासन द्वारा या एनडीआरएफ की ओर से ऐसी कोई माकूल व्यवस्था नहीं की गई कि भीड़ बढ़ने के बाद उसपर हर हाल में काबू पाया जा सके। यदि ऐसा संभव होता है कि इन आकस्मिक मौतों और घायलों को होने वाली पीड़ा को टाला जा सकता है।

इसलिए जहां तक मंशा देवी मंदिर पर घटी हालिया भगदड़ का सवाल है तो यह बेहद चिंता की बात है, क्योंकि देवभूमि उत्तराखंड का प्रवेशद्वार हरिद्वार को ही माना जाता है। इस अव्यवस्था से पर्यटकों की संख्या भी प्रभावित हो सकती है। यह ठीक है कि हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में जो बच गए, वे खुद पर माता बड़ी कृपा मान रहे है। लेकिन जिन लोगों की जान इस अप्रत्याशित हादसे में चली गई, आखिर उनकी खता क्या रही होगी, इस पर भगवान भी मौन हैं और श्रद्धालुओं का जत्था स्तब्ध। ऐसे में प्रारब्ध की बात कहकर आखिर कबतक प्रबंधन सम्बन्धी व प्रशासनिक लापरवाहियों पर खामोश रहा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि हरिद्वार में शिवालिक पहाड़ियों पर लगभग 500 फीट से अधिक ऊंचाई पर मनसा देवी मंदिर स्थित है, जहां की सीढ़ियां भी खड़ी चढ़ाई वाली हैं। दरअसल, कांवड़ यात्रा के कारण बंद हुए रास्ते भी रविवार को खुल गए थे, जिससे मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई। सीढ़ियां भी छोटी हैं, जहां बरसात में फिसलन होती है।

इस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि मंदिर परिसर में सुबह की आरती के समय भीड़ के बीच अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिससे भगदड़ मच गई। यहां भगदड़ से पहले का एक विडियो फुटेज भी सामने आया है। जिससे स्पष्ट होता है कि मंदिर जाने वाला पैदल मार्ग श्रद्धालुओं से खचाखच भरा है। भीड़ इतनी थी कि कि मनसा देवी जाने वाला पैदल मार्ग पर लोग एक-दूसरे से बुरी तरह चिपके हुए थे। इस तरह की स्थिति में तमाम लोग छोटे-छोटे बच्चों के साथ भी भीड़ में फंसे हुए दिख रहे हैं।

बताया जा रहा है कि तभी अचानक किसी ने बिजली का तार टूटने की अफवाह फैला दी और इससे डरकर लोगों में भगदड़ मच गई। लोग भागने लगे और इस दौरान एक-दूसरे पर गिरने लगे। जो गिर गया, वह फिर उठ नहीं पा रहा था और उसके ऊपर से कितने ही लोग गुजर जा रहे थे। ऐसे में जो बच गए, उनमें से कई घायल है। भगदड़ की सूचना के बाद जब एबुलेंस पहुंची, तो कई घायल लोग प्रवेश द्वार पर लावारिस पड़े हुए थे। देवी को चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं द्वारा लाई गई चुनरियां हरिद्वार में पहाड़ी पर स्थित मंदिर की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर बिखरी पड़ी थी। प्रवेश द्वार पर ढेर सारे जूते-चप्पल भी लावारिस पड़े थे।

इस घटना के तुरंत बाद एम्बुलेंस को बुलाया गया ताकि हताहतों को बचाया जा सके। इसलिए वायरल एक विडियो में एक पुलिसकर्मी घायल बच्चे को गोद में लिए एंबुलेस की ओर दौड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं, एक अन्य एम्बुलेस के अंदर दर्द से तड़प रहा घायल अपने रिश्तेदारों के बारे में पूछताछ कर रहा था, जो भगदड़ के दौरान बिछड़ गए थे। एक अन्य विडियो में संकरे रास्ते में लोग फंसे हुए नजर आ रहे है, जिसमें बच्चे भी है। भगदड़ से कुछ देर पहले शूट किए गए एक विडियो में एक महिला भीड़ में फंसी हुई दिखाई दे रही है, जो मुश्किल से अपने बच्चे को संभाल पा रही है। विडियो में दिख रही जगह वही है, जहां भगदड़ हुई थी। दर्जनों लोग एक-दूसरे से चिपके हुए थे और मुश्किल से हिल-डुल रहे थे, बस बच्चो को अपने सिर के ऊपर ही उठाए हुए थे। लोगों का कहना है कि प्रशासन भीड़ का सही अंदाजा नहीं लगा पाया। वहीं, प्रशासन ने कहा है कि स्थिति अब नियंत्रण में है और मंदिर परिसर को खाली करवा लिया गया है। यह घटना सुबह करीब 9 बजे हुई बताई जाती है। वहीं, पुलिस ने कहा है कि श्रद्धालुओं की भीड बढने और अव्यवस्थित एंट्री-एग्जिट की वजह से ये हादसा हुआ। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त संकरे सीढी मार्ग से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार मंदिर की ओर जा रहे थे।

वहीं, प्रशासन ने दावा किया कि हादसे के बाद मनसा देवी मंदिर परिसर को खाली करवा लिया गया है। इस अप्रत्याशित हादसे के बाद सरकार और प्रशासन दोनों एक्शन में नजर आ रहे हैं। इस हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। खुद सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मंदिर के पैदल मार्ग पर हुई भगदड़ की घटना की मैजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए है। ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए उन्होंने भी जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घायलों का भी हाल जाना। उन्होंने इस घटना में मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की। साथ ही, पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद की बात भी कही।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

जापानी समकक्ष ताकेहिरो फुनाकोशी से विक्रम मिस्री ने की मुलाकात

(एजेन्सी)।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में द्विपक्षीय विदेश सचिव-उपमंत्री वार्ता के लिए जापान के उप विदेश मंत्री ताकेहिरो फुनाकोशी से मुलाकात की। वार्ता के दौरान, मिस्री और उनके समकक्ष ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उसके बाहर शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के बढ़ते महत्व की पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने राजनीतिक संबंधों, रक्षा और सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, व्यापार और निवेश, बुनियादी ढाँचा सहयोग, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित बहुआयामी भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

उन्होंने महत्वपूर्ण वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। यह वार्ता हमारे संबंधों के विभिन्न आयामों में प्रगति की समीक्षा करने, सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने और भारत और जापान के बीच मैत्री और सहयोग के बंधन को और गहरा करने में योगदान देने में सहायक रही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने X पर लिखा, विदेश सचिव @VikramMisri ने नई दिल्ली में जापान के विदेश उप-मंत्री ताकेहिरो फुनाकोशी से मुलाकात की। पोस्ट में आगे कहा गया, उन्होंने भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और विस्तारित सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही, क्षेत्रीय और वैश्विक हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया।

भारत और जापान एक 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' साझा करते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच मित्रता का एक लंबा इतिहास रहा है, जो आध्यात्मिक आत्मीयता और मजबूत सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों पर आधारित है। भारत-जापान संबंधों को 2000 में 'वैश्विक साझेदारी', 2006 में 'रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' और 2014 में 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' के रूप में उन्नत किया गया। 2006 से भारत और जापान के बीच नियमित वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित होते रहे हैं (अंतिम शिखर सम्मेलन मार्च 2022 में हुआ था)। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री किशिदा 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए। दोनों पक्षों ने कोविड के बाद एक शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध विश्व के लिए साझेदारी" शीर्षक से एक संयुक्त वक्तव्य पर सहमति व्यक्त की।

गूगल ने ईडी के समक्ष दी गवाही, मेटा की तरफ से कोई प्रतिनिधि नहीं हुआ पेश

(एजेन्सी)।

तकनीकी दिग्गज गूगल सोमवार को अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के विज्ञापनों के प्रचार से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुई। इस बीच, इसी मामले में ईडी की जांच के लिए मेटा का कोई प्रतिनिधि पेश नहीं हुआ।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने दोनों तकनीकी दिग्गजों को आज पेश होने के लिए बुलाया है, क्योंकि उन्होंने 21 जुलाई को पेश न होने के बाद अतिरिक्त समय मांगा था। पिछले सप्ताह गूगल के प्रवक्ता ने कहा था कि वह अपने प्लेटफॉर्म को सुरक्षित रखने तथा अवैध जुआ विज्ञापनों के प्रचार पर रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम जांच एजेंसियों को अपना पूरा समर्थन और सहयोग दे रहे हैं ताकि बुरे लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा सके और उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित रखा जा सके। ईडी ने गूगल और मेटा दोनों पर उन सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार में सक्रिय रूप से मदद करने का आरोप लगाया है, जिनकी वर्तमान में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन सहित गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी के लिए जाँच चल रही है।

अधिकारियों का आरोप है कि इन तकनीकी कंपनियों ने प्रमुख विज्ञापन स्लॉट प्रदान किए और इन ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों से जुड़ी वेबसाइटों को अपने-अपने प्लेटफार्मों पर दृश्यता प्राप्त करने की अनुमति दी, जिससे इन अवैध गतिविधियों की व्यापक पहुँच में योगदान मिला। एजेंसी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक विशाल नेटवर्क की सावधानीपूर्वक जाँच कर रही है, जिनमें से कई पर कौशल-आधारित खेलों का भेष धारण करने और वास्तव में अवैध जुए में लिप्त होने का संदेह है।

दिव्या देशमुख ने 19 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियन बनकर रचा इतिहास

(एजेन्सी)।

युवा चेस खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने कोनेरू हम्पी को फिडे महिला वर्ल्ड कप फाइनल में हराकर खिताब पर कब्जा जमाया है। इसके साथ ही वह देश की 88वीं ग्रैंड मास्टर बन गई हैं। उन्होंने टाई ब्रेकर में ये जीत हासिल की है। इससे पहले दिव्या देशमुख ने दूसरी बाजी में रविवार को हंपी को ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया। शनिवार को खेली गई पहली बाजी भी ड्रॉ रही। ऐसे में आज टाईब्रेकर से विजेता का फैसला हुआ। टाईब्रेकर में कम अवधि की बाजियां खेली जाती हैं। दिव्या देशमुख चौथी भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रैंडमास्टर का तमगा हासिल किया।

दिव्या बचपन में बैडमिंटन खेलना चाहती थीं। उनकी उम्र कम थी ऐसे में माता-पिता ने उन्हें शतरंज सिखाया। दिव्या को एकेडमी ले जाने के लिए उनके परिजन रिश्वत देते थे। फिडे महिला वर्ल्ड कप 2025 में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ दिव्या देशमुख पहले तो कोनेरू हम्पी के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं। फिर उन्होंने टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। दिव्या ने हेक्सामाइंड शतरंज क्लब का प्रतिनिधित्व किया और ब्लिट्ज सेमीफानल में महिलाओं की वर्ल्ड नंबर 1 होउ यिफान को 74 चालों के रूक बनाम बिशप एंडगेम में मात दी। वहीं दिव्या के बारे में एक और बात ये है कि वह वर्तमान में शतरंज में महिलाओं में विश्व जूनियर नंबर1 हैं। फिडे वर्ल्ड जूनियर गर्ल्स चैंपियनशिप 2024 जीतना अपने आप में एक बड़ी बात है। लेकिन इससे भी ज्यादा दिलचस्प बात ये है कि वह पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहीं और 11 में से 10 अंक हासिल किए। सबसे निचली वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से लेकर 2024 में टाटा स्टील इंडिया शतरंज टूर्नामेंट जीतने तक सभी को चौंका देने वाली दिव्या ने 2024 शतरंज ओलंपियाड में तहलका मचा दिया है। दिव्या ने न केवल एक बल्कि दो गोल्ड पदक विजेता टीमों के साथ व्यक्तिगत स्पधाओं में भी गोल्ड पदक जीते हैं।

अक्षय कुमार का 'रियल एस्टेट दांव', बोरीवली के दो फ्लैट्स पर मिला 99% तक बंपर रिटर्न

(एजेन्सी)। ऑनलाइन प्रॉपर्टी पोर्टल squareyards.com द्वारा महानिरीक्षक पंजीकरण की वेबसाइट पर समीक्षा किए गए संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने मुंबई के बोरीवली पूर्व में एक ही आवासीय परियोजना में दो आसन्न संपत्तियाँ बेची हैं, जिनका कुल मूल्य 7.10 करोड़ रुपये है। अक्षय कुमार ने 2017 में ये दोनों अपार्टमेंट 3.69 करोड़ रुपया में खरीदे थे, और दस्तावेजों से पता चलता है कि पिछले आठ वर्षों में इन पर 92% रिटर्न मिला है। दस्तावेजों से पता चलता है कि ये दोनों अपार्टमेंट ओबेरॉय स्काई सिटी नामक एक इमारत में हैं, जिसका निर्माण सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर ओबेरॉय रियल्टी ने किया है। दोनों संपत्तियाँ आस-पास हैं और ओबेरॉय रियल्टी द्वारा विकसित स्काई सिटी में स्थित हैं और 25 एकड़ में फैली हुई हैं। यह एक रेडी-टू-मूव आवासीय परियोजना है जिसमें 3BHK, 3BHK+स्टूडियो और डुप्लेक्स अपार्टमेंट उपलब्ध हैं। स्क्वायर याड्र्स द्वारा समीक्षा किए गए IGR दस्तावेजों के अनुसार, पहली संपत्ति अक्षय कुमार द्वारा बेची गई थी और इसका मूल्य 5.75 करोड़ रुपये है। इसका कारपेट एरिया 1,101 वर्ग फुट है और इसमें दो कार पार्किंग स्थल शामिल हैं। इस लेन-देन में 34.50 लाख रुपये का स्टांप शुल्क और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क शामिल था।

पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

(एजेन्सी)। भारत के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान हो गया है। पांचवां मुकाबला लंदन के ओवल मैदान में 31 जुलाई से खेला जाएगा। वहीं अभी तक दोनों टीमों के बीच 4 मुकाबले खेले जा चुके हैं जहां मेजबान इंग्लैंड 2-1 से आगे है। वहीं पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर जेमी ओवर्टन की वापसी हुई है। ओवर्टन इस सीरीज में पहले तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम का हिस्सा थे लेकिन उन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के लिए टीम से रिलीज कर दिया गया था, ताकि वे सरे के लिए काउंटी मैच खेल सकें। अब 31 साल के ओवर्टन की फिर से टीम में एंट्री हुई है। बता दें कि, जेमी ने अभी तक इंग्लैंड के लिए 1 टेस्ट मैच खेला है जिसमें उनके नाम पर 2 विकेट और 97 रन दर्ज हैं। ओवर्टन को फर्स्ट क्लास क्रिकेट का काफी अनुभव है। ओवर्टन ने अब तक 98 फर्स्ट क्लास मैचों में 31.23 की औसत 237 विकेट चटकाए हैं। साथ ही 21.82 के एवरेज से 2401 रन भी बनाए हैं। बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्राउली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जो टंग, क्रिस वोक्स।

काशी यूनिवर्सल फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण

एसबी संवाददाता

वाराणसी। कारगिल विजय दिवस पर कारगिल युद्ध मे अपने प्राणों की आहुति देकर वीरगति को प्राप्त हुए देश के वीर जवानों की स्मृति में काशी यूनिवर्सल फाउंडेशन, वाराणसी द्वारा शास्त्री उद्यान, शास्त्री नगर, सिगरा में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन देश के वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही साथ पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जनमानस तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था की अध्यक्षा गुंजन नन्दा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले बलिदानियों को स्मरण करते हुए हम सबका यह कर्तव्य है कि हम उनके आदर्शों को आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य की नींव रखने का भी प्रयास है। कार्यक्रम में फाउण्डेशन के सदस्य मनीष यादव, समाजसेविका पूजा सिंह, समाजसेवी श्री अनिल मिश्र व स्थानीय नागरिकों के साथ साथ राहुल, प्रियंका, देवेश, आकाश व अन्य ऊजार्वान युवाओं और संस्था के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष लगाए एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।

मुख्यमंत्री की ओर से पंजाब वासियों से नशे और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग में साथ देने और शहीद भगत सिंह के सपनों को साकार करने का आह्वान

लाल किले की प्राचीर पर प्रधानमंत्री बदलते रहे, लेकिन उनके भाषण नहीं बदले

संजना भारती संवाददाता

खटकड़ कलां (शहीद भगत सिंह नगर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब को नशे और भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए प्रदेशवासियों से सरकार के साथ मजबूती से खड़े होने का आह्वान करते हुए कहा कि यह प्रयास शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

यहां शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह विरासत परिसर का शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नशे और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ी है और इन अपराधों में शामिल बड़े मगरमच्छों को सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस जंग ने पारंपरिक पार्टियों के दोहरे चेहरों को भी बेनकाब किया है, जो प्रदेश को लूटने और नशे के जरिए युवाओं की नस्लकुशी के लिए आपस में मिली हुई थी और इसके लिए बराबर जिम्मेदार हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि नशे और भ्रष्टाचार के खिलाफ यह जंग तभी सफल हो सकती है, जब प्रदेश के लोग इसमें सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्चाई यह है कि कैप्टन, बादल और मजीठिया ने अपने निजी हितों के लिए पंजाब और इसके लोगों की पीठ में छुरा घोंपने की अपने परिवारों की दोगली विरासत को जारी रखा है। उन्होंने कहा कि बिक्रम सिंह मजीठिया, जो नशे के कारोबार में शामिल होने के कारण आज जेल की सलाखों के पीछे हैं, उनके पूर्वजों ने 1919 में जलियांवाला बाग नरसंहार की रात जनरल डायर के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करके लोगों की पीठ में छुरा घोंपा था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसी तरह कैप्टन अमरिंदर सिंह, जो अपने भतीजे मजीठिया के मानवाधिकारों के बारे में बढ़-चढ़कर बोल रहे हैं, और उनके परिवार का संदिग्ध रिकॉर्ड है कि वे हमेशा पंजाब और इसके लोगों को धोखा देते आए हैं और हमेशा पंजाब विरोधी ताकतों चाहे वह मुगल हों, अंग्रेज हों या अब भाजपा के साथ खड़े रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके विपरीत उनकी सरकार शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सपनों को साकार करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आजादी का फल हर घर तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के 75 साल से अधिक समय बीतने के बाद भी वास्तविक अर्थों में आजादी का लाभ हर घर तक नहीं पहुंचा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों ने आजादी का अनुचित लाभ उठाकर पंजाब को नशे, लोगों के पैसे की लूट, भ्रष्टाचार और अन्य बुराइयों को बढ़ावा देने के अलावा कुछ नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के अब तक के प्रधानमंत्रियों ने लाल किले से अपने स्वतंत्रता दिवस भाषणों में एक ही तरह के बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह और भी अफसोसजनक है कि इन नेताओं ने लोगों को केवल नाटक ही दिए हैं और जनता अभी भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सपने अभी तक साकार नहीं हुए क्योंकि इन लोगों ने इसके लिए कभी कोई ठोस प्रयास नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, लाला लाजपत राय,

शहीद ऊधम सिंह, शहीद करतार सिंह सराभा, माई भागो, गदरी बाबे और अन्य महान शहीदों को केंद्र में सत्तारूढ़ लोगों से किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उन्हें अपनी देशभक्ति के लिए सत्ताधारी लोगों से किसी भी प्रकार के एनओसी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इन महान देशभक्तों और राष्ट्रीय नायकों का ऐसा अनादर किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोई राजनीतिक आयोजन नहीं है, बल्कि उन महान शहीदों को श्रद्धांजलि देने का समय है, जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपनी जानें कुर्बान कर दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन महान शहीदों की विरासत को हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि देश हमेशा शहीद भगत सिंह का ऋणी रहेगा, जिन्होंने 23 साल की छोटी उम्र में देश को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के चंगुल से मुक्त कराने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह जैसे शहीद कोई साधारण इंसान नहीं थे, बल्कि वे एक विचार थे और हमें देश की प्रगति के लिए उनके नक्शेकदम पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का हर प्रयास शहीद भगत सिंह के सपनों के अनुरूप एक प्रगतिशील और खुशहाल पंजाब बनाने के लिए समर्पित है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि एक सांसद के रूप में उनका हर कार्य शहीद-ए-आजम से प्रेरित रहा क्योंकि उन्हें उसी स्थान पर लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, जहां शहीद भगत सिंह ने ब्रिटिश शासन को हिलाने के लिए बम फेंककर लोगों के कानों को खोल दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि किसी मुख्यमंत्री और पूरे मंत्रिमंडल ने खटकड़ कलां की पवित्र धरती पर अपने पद की शपथ ली हो। उन्होंने कहा कि 23 मार्च, 2022 को शहीद भगत सिंह जी के शहादत दिवस पर हुसैनीवाला से भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन शुरू की गई थी, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग की शुरूआत थी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एसएएस नगर (मोहाली) के प्रवेश द्वार पर शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह जी के सम्मान में उनकी 30 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कठोर प्रयासों के कारण ही मोहाली हवाई अड्डे का नाम आधिकारिक तौर पर शहीद भगत सिंह जी के नाम पर रखा गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों में शहीद भगत सिंह और डॉ. बी.आर. आंबेडकर की तस्वीरें लगाने का भी फैसला किया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के लोग इन महान हस्तियों से प्रेरणा लेकर प्रदेश की अधिक से अधिक सेवा करें।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद, विधायक डॉ. सुखविंदर कुमार सुक्खी और संतोष कटारिया सहित अन्य लोग भी मौजूद थे।

अधिवक्ता जांच समिति पर अनर्गल आरोप लगाने वालों पर बार एसोसिएशन कर रहा कार्यवाही की तैयारी

सोशल नेटवर्किंग साइट के स्क्रीनशॉट लेकर जारी होगा नोटिस, समाप्त होगी बार की सदस्यता

एसबी संवाददाता

वाराणसी। दी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन और दी बनारस बार एसोसिएशन द्वारा गठित उड़ाका दल (अधिवक्ता जांच समिति) वाराणसी कचहरी और कलेक्ट्रेट में फर्जी अधिवक्ताओं को पकड़ने में सराहनीय काम कर रहा है। जांच समिति के डर से फर्जी अधिवक्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है। स्थिति यह है कि वर्षों से विधि व्यवसाय कर रहे कथित अधिवक्ता पकड़े जाने के डर से या तो कचहरी आना छोड़ दिए हैं या फिर आ भी रहे हैं तो आमजन की तरह। उड़ाका दल के कार्य की कचहरी से लगायत कलेक्ट्रेट तक में चहुंओर प्रशंसा हो रही है।

उड़ाका दल के सराहनीय कार्य से फर्जी वकीलों के आकाओं में भय व्याप्त हो गया है ऐन केन प्रकारेण उड़ाका दल के अभियान को रोकने के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक, एक्स, व्हाट्सएप आदि पर जाति, धर्म का कार्ड खेल रहे हैं जिसको बार द्धय द्वारा गठित उड़ाका दल के चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता दीवाकर दुबे और वरिष्ठ समिति के सदस्य ओम शंकर श्रीवास्तव ने गम्भीरता से लिया है। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन और बनारस बार एसोसिएशन से पदाधिकारियों से वार्ता के बाद ऐसे लोगों को नोटिस जारी किया जायेगा जो सोशल नेटवर्किंग साइट पर अधिवक्ता जांच समिति के खिलाफ बेतुका और अनर्गल आरोप लगा रहे हैं, नोटिस का आधार स्क्रीनशॉट होगा। अगर जवाब सन्तोषजनक नहीं होगा तो अनुशासनहीनता में बार की सदस्यता समाप्त की जायेगी और वेलफेयर के लाभ से भी वंचित किया जाएगा।

वरिष्ठ समिति के सदस्यों का समर्थन अधिवक्ता गौतम कुमार झा, यामिनी शर्मा, जयश्री पाठक, सुधा सिंह, रंजीत मिश्रा, अमित उपाध्याय, मंगला तिवारी, अरविंद पाण्डेय, कमलेश यादव, सत्य प्रकाश सिंह सुनील और राघवेन्द्र दूबे ने भी किया है।

मीडिया से मुखातिब उड़ाका दल के चेयरमैन दिवाकर दूबे और वरिष्ठ समिति के सदस्य ओम शंकर श्रीवास्तव। (छाया: एसबी)

हिंद की चादर नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी की वसाई हुई नगरी का कोना-कोना लिशकाया जाएगा: हरजोत सिंह बैंस

कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने गुरुद्वारा शीशगंज साहिब से स्वच्छता अभियान का किया शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/श्री आनंदपुर साहिब। हिंद की चादर नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी की वसाई नगरी श्री आनंदपुर साहिब के चप्पे-चप्पे की सफाई के लिए हर वार्ड, सड़क, गली और मोहल्ले में सफाई अभियान चलाया जाएगा। गुरु साहिब के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित समारोहों के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूरे इलाके को पूरी तरह से साफ-सुथरा रखा जाएगा। इसके लिए नगर परिषद, अन्य विभागों और स्थानीय निवासियों का सहयोग लिया जाएगा ताकि शहर को साफ-सुथरा रखा जा सके। साप्ताहिक मेगा सफाई अभियान चलाकर गुरु नगरी के चप्पे-चप्पे की सफाई की जाएगी।

यह बात पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में अरदास के बाद शुरू हुए सफाई अभियान के दौरान स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व से पहले श्री आनंदपुर साहिब के हर कोने की सफाई की जाएगी। आज कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस नंगे पांव गुरु नगरी की सड़कों और बाजारों में सफाई कर रहे थे। उनके साथ एसडीएम जसप्रीत सिंह, प्रशासनिक अधिकारी और नगर परिषद अध्यक्ष हरजीत सिंह जीता व कोंसलर, नगर परिषद के कर्मचारी और बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता इस सफाई कार्य में जुटे हुए थे।

कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि 2022 में गुरु साहिब के आशीर्वाद से इस क्षेत्र की संगत ने उन्हें इस हलके की सेवा का जिम्मा सौंपा है, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने श्री आनंदपुर साहिब से जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई और दिल्ली जाकर अपनी शहादत दी। भाई जैता जी बाबा जीवन सिंह जी नौवें गुरु का शीश श्री आनंदपुर साहिब लाए और जिस स्थान पर श्री गुरु तेग बहादुर जी का शीश रखा गया, वह गुरुद्वारा सीस गंज साहिब है।

हिंद की चादर नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी दिवस समारोह इसी स्थान पर आयोजित होगा, जहाँ दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु पहुँचेंगे, इसलिए इस शहर को स्वच्छ बनाने का अभियान आज से शुरू हो गया है, जिसे हम सेवा भावना से कर रहे हैं।

उन्होंने मुख्य मार्गों, बाजारों, सड़कों की सफाई करते हुए लोगों से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने की अपील की, जिसका उचित निपटान किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह सफाई अभियान शहर के हर वार्ड, गली, मोहल्ले तक पहुँचेगा और हर कोने की सफाई की जाएगी। हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि श्री आनंदपुर साहिब खालसा की जन्मभूमि है, यह वह पवित्र भूमि है जिसके कण-कण पर गुरु साहिब के चरणों का स्पर्श हुआ है, इसे स्वच्छ रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज "विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस" के अवसर पर हमें पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि पेड़ों और जानवरों की रक्षा करना बहुत जरूरी है, पृथ्वी के स्वास्थ्य, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वह और उनके साथी आज लंबे समय से नंगे पांव इस सेवा में लगे हुए हैं।

इस अवसर पर गुरदीप सिंह, कार्यकारी अधिकारी, इंदरजीत सिंह अरोड़ा, अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स, सुनील अडवाल, अध्यक्ष, रेरी खोखा यूनियन, दया सिंह, शिक्षा समन्वयक, ठेकेदार जगजीत सिंह, जग्गी, आप नेता, मंजीत सिंह, बीपी ईओ, बलबीर कौर, पार्षद, एस. कुलदीप सिंह, दीपक आंगरा, अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स, बिल्ला चुनियां आला, मदन लाल, सेनेटरी इंस्पेक्टर इंदरजीत सिंह अरोड़ा, विजय गरचा, प्रधान कुलदीप सिंह दीपा, अबजीत सिंह एलेक्सी आप नेता, कैप्टन दलजीत सिंह सुपरवाइजर, जसपाल सिंह पम्मी, हुसन चंद, कैप्टन अनूप सिंह घटीवाल, जसवंत सिंह, बीबी रणजीत कौर आप नेता, स्वर्ण कौर, तरलोक सिंह होलगढ़ मौजूद थे।

विधायक डॉ. वाचस्पति ने किया कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

बारा प्रयागराज। सोमवार को बारा विधायक डॉ. वाचस्पति विकास खंड शंकरगढ़ में करोड़ों की लागत से बनने वाली विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम सभा बड़गड़ी के मजरा रमना में सबरी माता आश्रम को जाने वाले मार्ग का शिलान्यास किया गया। साथ ही राम भवन तिराहा से सदर बाजार होते हुए रेलवे क्रॉसिंग तक जाने वाले मार्ग सीसी रोड का शिलान्यास किया। शंकरगढ़ नगर पंचायत कार्यालय में विभिन्न मार्गों का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया। चुंदवा (रानीगंज) में सीसी मार्ग का शिलान्यास कर विधायक ने ग्रामीणों को विकास का भरोसा दिलाया।

नगर पंचायत में ही वार्ड नंबर नौ और दस में विधायक निधि से बनी सड़क का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के अंत में कृष्णा मैरिज गार्डन में विधायक का स्वागत जलपान के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधुपति, डॉ विनोद त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि फूल चंद्र पटेल, एवं विजय कुमार निषाद, मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी, अखिलेश पटेल, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, गुड्डू पटेल, आशीष पाल, रुद्र प्रताप मिश्रा, शक्ति मान पाल, राम जतन बंसल, राजकुमार पटेल, रोहित केसरवानी, संदीप पटेल, राजू द्विवेदी, जय सिंह पटेल, शेर सिंह, शैलेन्द्र सिंह, धीरज सिंह, प्रकाश सिंह, पंकज गुप्ता, सुजीत केसरवानी, नितेश, राज भैया, धीरज सोनी, राकेश पाठक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

दिलशाद गार्डन में घरेलू हिंसा का सनसनीखेज मामला

महिला के सिर पर रॉड मारकर किया लहूलुहान, आरोपी फरार

एसबी संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली के सीमापुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत दिलशाद गार्डन से एक चौंकाने वाला घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। पीड़िता रीता (पत्नी माण सिंह), उम्र 62 वर्ष ने आरोप लगाया है कि उसे उसके देवर और नंद-बुद्ध प्रकाश और शंशील ने लोहे की रॉड से बुरी तरह पीटा।

FIR संख्या 0562 के अनुसार, घटना गत् 25 जुलाई की सुबह 7:45 बजे की है। पीड़िता का आरोप है कि पहले उसे घर के भीतर जबरन पीटा गया, फिर लोहे की रॉड से उसके सिर पर हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इतना ही नहीं, हमले के बाद आरोपियों ने मुख्य दरवाजा बंद कर उसे अंदर ही लॉक कर दिया और मौके से फरार हो गए। पीड़िता के अनुसार, वह किसी तरह मदद के लिए चिल्लाई, तब जाकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। शाम को 7:55 बजे FIR दर्ज की गई और पुलिस ने IPC की जगह अब लागू भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धाराएं 110, 118 (1) और 35 के तहत केस दर्ज किया।

जांच अधिकारी सब-इंस्पेक्टर सुरेंद्र पाल को मामले की जांच सौंपी गई है। पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है और मेडिकल जांच के लिए उसे सरकारी अस्पताल जीटीबी में भर्ती कराया गया था।

पंजाब नशा निवारण पाठ्यक्रम लागू करने वाला पहला राज्य बनने जा रहा

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब की नशे के खिलाफ जंग एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है क्योंकि राज्य सरकार युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम के तीसरे चरण के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक अनूठा नशा निवारण पाठ्यक्रम शुरू करने जा रही है। यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने मंगलवार शाम पंजाब भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दी। स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान 1 अगस्त को फाजिल्का जिले के अरनीवाला में इस राज्यव्यापी नशा निवारण पाठ्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह अनूठा कार्यक्रम नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अभिजीत बनर्जी के नेतृत्व वाले संगठन जे-पॉल साउथ एशिया के सहयोग से तैयार किया गया है। प्रमुख व्यवहार वैज्ञानिकों की मदद से डिजाइन किया गया यह पाठ्यक्रम कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 8 लाख विद्यार्थियों को नशे से बचाव की जानकारी और इससे बचने के कौशल से सशक्त बनायेगा।

यह पाठ्यक्रम 35 मिनट के सत्रों पर आधारित होगा, जो हर पखवाड़े (15 दिन) में एक बार 27 सप्ताह तक आयोजित किए जाएंगे। इसमें डाक्यूमेंट्री, क्विज, पोस्टर और इंटरैक्टिव गतिविधियों जैसे रोचक माध्यमों के जरिए मिथकों को तोड़ना, मना करने की रणनीतियों और समूह दबाव से बचाव जैसे विषयों पर फोकस किया जाएगा, ताकि विद्यार्थी सोच-समझकर निर्णय लेने में सक्षम बन सकें।

स. बैंस ने बताया कि यह नशा-निवारण कार्यक्रम 3,658 स्कूलों को कवर करेगा और 6,500 से अधिक प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 8 लाख विद्यार्थियों को सशक्त बनाएगा। यह व्यापक कार्यक्रम पंजाब की शिक्षा व्यवस्था पर गहरा प्रभाव डालेगा और विद्यार्थियों को नशे से इनकार करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करेगा। यह पहल साक्ष्य पर आधारित है और इसे प्रमुख व्यवहार वैज्ञानिकों के साथ विकसित किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान अमृतसर और तरनतारन के 78 सरकारी स्कूलों में 9,600 विद्यार्थियों पर किए गए रैंडम ट्रायल्स के जरिए इसका मूल्यांकन जे-पॉल साउथ एशिया द्वारा किया गया जिससे महत्तवपूर्ण परिणाम सामने आये। परिणामों में यह देखा गया कि छात्रों में नशे के जोखिम के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

शहीद उधम सिंह का बलिदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमर: हरविन्द्र कल्याण

शिरोमणि शहीद उधम सिंह के 85वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में शहीदी दिवस समारोह आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। हरियाणा कांबोज सभा द्वारा शिरोमणि शहीद उधम सिंह के 85वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में इंद्री अनाज मंडी में सोमवार को राज्य स्तरीय शहीदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा और विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप राम कुमार कश्यप ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने शिरोमणि शहीद उधम सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा कंबोज सभा को सामाजिक एवं विकास कार्यों के लिये 11 लाख रुपये देने की घोषणा की तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा द्वारा संदेश के माध्यम से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने शहीद उधम सिंह कांबोज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमर है। देश को स्वतंत्र करवाने में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना बलिदान दिया। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हम उन महान पुरुषों को याद करते है तथा इन आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने का कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों का भारत बनाने के लिए हमें विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में मिलकर आगे बढ़ना होगा। जिसके लिए सबकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में नई ऊर्जा भरते हैं और देश के प्रति कर्तव्य की भावना को जागृत करते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपने अधिकारों के साथ-साथ मतदान, सामाजिक सद्भाव जैसे कर्तव्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र और हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई अनेक नवाचारों और योजनाओं का सीधा लाभ गांवों, शहरों, महिलाओं, युवाओं और किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास के विजन से देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि शिरोमणि शहीद उधम सिंह जी का जीवन वास्तव में प्रेरणा का स्रोत है, और देश के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान तथा उनकी बहादुरी अत्यंत प्रशंसनीय है। शहीद उधम सिंह एक सच्चे देशभक्त थे जिन्होंने अपने देश की आजादी के लिए अथक संघर्ष किया। आज के दिन, हम उनके बलिदान को स्मरण करते हैं और उनके सपनों के भारत को साकार करने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमें उधम सिंह के शहीदी दिवस पर उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करना चाहिए। उधम सिंह का बलिदान हमें देशभक्ति और साहस की भावना से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश सरकार नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में निरंतर शहीदों को याद करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करती रहती है ताकि युवा पीढ़ी को उन संतों, महापुरुषों और शहीदों की जीवन से प्रेरणा मिल सके और युवा पीढ़ी उनके दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ सके।

विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप राम कुमार कश्यप ने उधम सिंह जी के अतुलनीय साहस को याद करते हुए कहा कि उधम सिंह का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान के प्रतीक के रूप में अमर है। वे वही क्रांतिकारी थे जिन्होंने जलियाँवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए 21 साल तक इंतजार किया और ब्रिटिश अधिकारी डायर को लंदन जाकर मार गिराया। उन्होंने कहा कि आज जब हम आजाद भारत में साँस ले रहे हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह आजादी हमें उधम सिंह, शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद चंद्रशेखर आजाद जैसे अनेक क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान से मिली है। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है जिसके माध्यम से सरकार उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

इस मौके पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, महन्त ब्रह्मद्दास, महन्त महेश मुनि, धर्मवीर कांबोज, धर्मपाल शांडिल्य सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारी आश्रम राजौंद में तीज पर्व धूम-धाम से मनाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। राजौंद ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में तीज का त्यौहार बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में असंध सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी उषा दीदी और उत्तराखण्ड श्रीनगर सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी नीलम दीदी विशेष रुप से पधारी। बीके नीलम ने सबको ईश्वरीय महावाक्यो के साथ साथ सेवाएं आगे कैसे बढ़ानी है और अपने संबंधों को मधुर, मजबूत बनाकर सदा हल्का रहने के कुछ गुर सिखाए और हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी। बीके उषा दीदी ने तीज त्यौहार के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तीज का त्यौहार समृद्धि और संपन्नता का उत्सव है। आपसी प्रेम और सहयोग का यादगार पर्व है। जब हम परमात्मा पिता की शिक्षाओं को जीवन में धारण करते हुए एक दूसरे के साथ आदर प्रेम से व्यव्हार करते है तो परमात्मा के साथ आनंद के झूले झूलते हैं। तीज पर विशेष रूप से घर की बेटियों को सौगात कोथली के रुप में दी जाती है। बेटियां और घर की सभी औरते झूला झूलती हैं अर्थात जिस घर में संपन्ता होती हैं उस घर की नारी हंसती, खेलती है और खुश रहती हैं। तीज त्यौहार भारत देश की संपन्ता और सुख समृद्धि का भी प्रतीक है क्योंकि हर त्यौहार पर खासकर तीज पर भारत देश की बेटियां खुशियों से झूमती है। साथ साथ पूरा गांव इक्कठा होकर इस त्यौहार को मनाता है जो आपसी भाईचारे का प्रतीक है। इस अवसर पर बच्चों ने संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया। माताओं बहनों ने झूले झूले और गिद्दा डालकर त्यौहार को हर्षोल्लास से मनाया।

नपा राजौंद द्वारा नगर में सफाई जागरूकता अभियान चलाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। नपा राजौंद द्वारा नगर में सफाई संबंधी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि नगर के मुख्य मार्गों, दुकानदारों, नागरिकों, शिक्षण संस्थानों में जाकर सभी नागरिकों, बच्चों, युवाओं, महिला, पुरुषों को सफाई का महत्व समझाया जा रहा है। साफ सफाई रखना हम सब का दायित्व है। नगर पालिका द्वारा 'सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ' विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से सहयोग करने की अपील की है।

नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि नपा राजौंद सरकार व प्रशासन के निर्देश अनुसार नपा राजौंद क्षेत्र में सफाई जागरूकता अभियान चलाती रही है। अब फिर नपा राजौंद क्षेत्र में सफाई जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि नगर में साफ सफाई रखने में सहयोग करें। सरकार व जिला प्रशासन के निर्देश अनुसार राजौंद में सफाई संबंधी जागरूकता अभियान लगातार चलाया जायेगा। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की अपील की है।

करनाल में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, मुफ्त स्क्रीनिंग और इलाज की सुविधा

एसबी विशेष संवाददाता
करनाल। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला करनाल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष 2025 की थीम "हेपेटाइटिसः लेट्स ब्रेक इट डाउन" रही। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को हेपेटाइटिस के प्रकार, कारण, लक्षण और रोकथाम के बारे में जागरूक करना था।

सिविल सर्जन डॉ. पूनम चौधरी ने बताया कि जिला नागरिक अस्पताल, जिला जेल, सभी सीएचसी, पीएचसी और यूपीएचसी में विशेष स्क्रीनिंग कैंप लगाए गए, जिनमें हेपेटाइटिस बी व सी की जांच की गई और लोगों को आवश्यक परामर्श व जानकारी दी गई। डॉ. चौधरी ने बताया कि हेपेटाइटिस पांच प्रकार का होता है-A, B, C, D और E. हेपेटाइटिस A और E दूषित भोजन व पानी से फैलते हैं।

हेपेटाइटिस B और C असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई, ब्लेड और बिना जांच के रक्त चढ़ाने से फैलते हैं।

हेपेटाइटिस B संक्रमित गर्भवती महिला से नवजात शिशु में भी फैल सकता है। उन्होंने बताया कि इलाज न होने पर हेपेटाइटिस बी व सी से लिवर कैंसर होने की आशंका रहती है। एनवीएचसी कार्यक्रम के तहत करनाल जिला में हेपेटाइटिस की मुफ्त स्क्रीनिंग, टेस्टिंग और इलाज की सुविधा उपलब्ध है। जिला जेल में भी कैदियों की स्क्रीनिंग कर वहीं उपचार किया जाता है। इसके अलावा, हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव महिलाओं के नवजातों को मुफ्त इम्युनोग्लोबुलिन डोज दी जाती है।

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस सी को जड़ से समाप्त किया जाए और बी प्रकार के संक्रमण और मृत्यु दर में कमी लाई जाए।

डॉ. चौधरी ने बताया कि 30 जून 2025 तक जिले में हेपेटाइटिस सी की 33,781 स्क्रीनिंग की गई, जिनमें 972 मरीज पॉजिटिव पाए गए। वहीं, हेपेटाइटिस बी की 33,970 जांचों में 387 मरीज संक्रमित मिले। सभी पॉजिटिव मरीजों का इलाज सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने जनता से अपील की कि वे समय-समय पर जांच कराएं और इस बीमारी को लेकर जागरूक रहें।

समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच संवाद की मजबूत कड़ी: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों की समस्याओं के निदान के लिए हर सोमवार और वीरवार को समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच संवाद की मजबूत कड़ी है। सभी संबंधित विभागों के अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समयबद्ध निपटान हो और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले।

सोमवार को आयोजित शिविर में आमजन ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं रखी जिनमें परिवार पहचान पत्र, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, नगर परिषद से संबंधित से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। अधिकारियों ने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुना और काफी समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया और अन्य के समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी।

उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में नागरिकों को एक ही छत के नीचे अपनी शिकायतों व समस्याओं का समाधान करवाने का अवसर मिल रहा है। जिला प्रशासन हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लघु सचिवालय में जनता की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन नागरिकों की सहायता के लिए सदैव तत्पर हैं और जनहित में यह पहल निरंतर जारी रहेगी। आमजन इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाए।

आदिकवि दिनाभाना डॉ. बी.आर. आंबेड़कर वैलफेयर सोसाइटी सरकारी हस्पताल कैथल में दाखिल मरीज की निशुल्क नाशता वितरित कर पुण्य कमा रही है

संजना भारती संवाददाता
कैथल। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म हैं। सोमवार, 28 जुलाई को आदिकवि दिनाभाना डॉ. बी.आर. आंबेड़कर वैलफेयर सोसाईटी पंजीकृत द्वारा सरकारी हस्पताल कैथल में दाखिल मरीज को सुबह दूध, रस, ब्रेड निःशुल्क वितरित किया गया। अध्यक्ष-कुलदीप सिंह आदिकवि दिनाभाना डॉ. बी.आर. आंबेडकर वैलफेयर सोसाईटी पंजीकृत कैथल ने बताया गया कि यह सेवा जन सहयोग से पिछले लगभग डेढ़ साल से लगातार चली हुई हैं। इस आवसर पर अंजू, ज्योति, सोनू, ममता साहिल सहित अन्य मौजूद रहे।

सावन मास में महीपाल दूहन ने किया जच्चाओं को देसी घी का वितरण

संजना भारती संवाददाता
असन्ध। सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर महीपाल दूहन ने सावन मास में तीज के अवसर पर गांव रंगरूटीखेड़ा, वार्ड नं-2 व कबीर बस्ती में जरूरतमंद जच्चाओं के लिए देसी घी भेंट किया। सर्वविदित है कि मास्टर महीपाल दूहन पिछले 15 वर्षों से अपने वेतन से लगभग प्रतिमाह जरूरतमंद जच्चाओं को देसी घी वितरण करते हैं ताकि जच्चा-बच्चा स्वस्थ रहें। इसी कड़ी में दूहन लगभग आठ सौ जरूरतमंद जच्चाओं को देसी घी वितरित कर चुके हैं। दूहन के इस सामाजिक कार्य की हरियाणा, दिल्ली व उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में प्रशंसा हो रही है।

दूहन ने कहा कि अच्छे कार्यों को हमेशा प्रचारित करने चाहिए ताकि अन्य लोग भी प्रेरित हो सके। दूहन ने कहा कि सोशल मीडिया व मित्र मंडली के माध्यम से जरूरतमंद जच्चाओं का पता लगाया जाता है और बिना पूछताछ मदद की जाती है। इस अवसर पर रंगरूटीखेड़ा सरपंच गुलाब सिंह और विक्की लुम्बा असंध मौजूद रहे।

घायल नंदी की मदद करने तुरंत पहुंचे राजौंद के गऊ सेवक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। बीते कल राजौंद के असंध मार्ग पर, सरकारी स्कूल के खेल के मैदान के सामने सड़क पर दो नंदी बैल की आपस में भिड़ंत हो गई थी। एक नंदी घायल हो गया था। अनुमान है कि घायल नंदी बैल को किसी तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी थी। घायल नंदी बैल रविवार शाम से सड़क के किनारे भूखा प्यासा बैठा रहा। नागरिकों ने इसकी सूचना राजौंद के गौ सेवकों को दी। गौ सेवक सूचना पाते ही तुरंत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गौ सेवक ब्रह्म राणा ने बताया कि राजौंद नगर में 150 से अधिक की संख्या में गौ सेवकों की टीम है जो समय-समय पर गौ माता व बंदी महाराज के सहयोग के लिए पहुंचते हैं।

राजौंद के गौ सेवक प्रधान भुपेंद्र राणा ने अपने टीम के साथ पहुंचकर नंदी महाराज के पूरे शरीर की मालिश की व सहारा देकर उसे उठाया। प्रधान ने कहा कि राजौंद नगर क्षेत्र में कहीं पर भी यदि किसी घायल गौ माता या घायल नंदी बैल को देखें तो उसकी सूचना प्रधान गौ सेवा दल भूपेंद्र सिंह राणा के मोबाइल नंबर 7900060086 पर दे। घायल नंदी का सहयोग करने पर नगर में चारों ओर राजौंद के गौ सेवकों की प्रशंसा हो रही है। इस अवसर पर सौनू मित्तल, शुभम, ब्रह्मराणा सहित अन्य मौजूद थे।

मेरठ रोड टी-पॉइंट से शहीद उधम सिंह चौक तक होगा सुदृढ़ीकरण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। करनाल की मेरठ रोड टी-पॉइंट से लेकर शहीद उधम सिंह चौक तक बनने वाली ग्रीन बेल्ट सड़क को अब स्मार्ट रोड की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इस सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य का सोमवार को स्थानीय विधायक जगमोहन आनंद और नगर निगम की महापौर रेनू बाला गुप्ता ने विधिवत शुभारंभ किया। नारियल फोड़कर शुभारंभ कार्यक्रम सेक्टर-9 स्थित पंजाबी धर्मशाला के पास आयोजित हुआ, जिसमें कई पार्षद, गणमान्य व्यक्ति और निगम अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक जगमोहन आनंद ने इस अवसर पर कहा कि यह सड़क कई सेक्टरों और वार्डों को जोड़ती है, जिससे रोजाना हजारों वाहनों का आवागमन होता है। सड़क के सुदृढ़ीकरण से लोगों को सुगम, सुरक्षित और टिकाऊ मार्ग की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह कार्य दो माह पहले शुरू होना था, लेकिन मानसून के कारण इसे रोका गया। अब जैसे ही मौसम अनुकूल हुआ है, काम को शुरू कर दिया गया है ताकि सालों-साल टिकने वाली मजबूत सड़क बनाई जा सके।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतर रही है और हर विकास कार्य को पारदर्शिता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा हर विकास कार्य की जानकारी बोर्ड पर दर्शाई जा रही है, जिससे जनता जान सके कि कार्य पर कितनी राशि खर्च हो रही है और संबंधित अधिकारी कौन है। उन्होंने ठेकेदार को निर्देश दिए कि सड़क का निर्माण गुणवत्ता युक्त और सही लेवल पर हो ताकि बरसात में पानी न जमा हो। नगर निगम महापौर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि यह सड़क शहर की लाइफ लाइन है, जो लगभग 4-5 वार्डों को जोड़ती है। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण गड्ढों पर अस्थायी पैचवर्क करवा दिया गया था, लेकिन अब नई सड़क के निर्माण से लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो रही है। उन्होंने अभियंताओं को सख्त निर्देश दिए कि काम की निरंतर निगरानी करें और तय समय में काम पूरा करें। कार्यकारी अभियंता ओ.पी. करदम ने जानकारी देते हुए बताया कि सड़क का निर्माण मेरठ रोड टी-पॉइंट से साईं बाबा मंदिर चौक, नूरमहल चौक, शहीद उधम सिंह चौक होते हुए सामुदायिक केंद्र सेक्टर-9 तक किया जाएगा। सड़क की लंबाई लगभग 4600 मीटर होगी और इसे बिटुमिन कंक्रीट (तारकोल) से मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क के दोनों ओर फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, सेंट्रल वर्ज, थर्मोप्लास्टिक पेंट, जेब्रा क्रॉसिंग, और ट्री-गार्ड के साथ पौधारोपण किया जाएगा। इसके साथ-साथ रोड फर्नीचर और लैंडस्केपिंग का कार्य भी किया जाएगा। सभी कार्यों को 6 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर ने कहा कि करनाल में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और भाजपा सरकार ने हर वर्ग के लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता दी है।